Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding atrocities on Hindus in Pakistan.

श्री शंकर लालवानी (इन्दौर): महोदय, आपने मुझे जीरो ऑवर में बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद । मैं आपका ध्यान एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की तरफ दिलाना चाहता हूँ । इन दिनों पाकिस्तान में हिन्दू समाज के ऊपर बहुत अत्याचार हो रहा है । 9 अप्रैल, 1950 में नेहरू-लियाकत समझौता हुआ था, उस समझौते में इंडो-पाकिस्तान एग्रीमेंट के तहत दोनों देशों की माइनोरिटी की जान-माल की रक्षा, पूजा-पाठ, धर्म की स्वतंत्रता आदि बातों का जिक्र है ।

लेकिन, बड़े दु:ख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि हमारे यहां तो माइनॉरिटी के लोग अच्छी तरह से पूजा कर रहे हैं, सड़कों पर नमाज़ पढ़ रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान में मन्दिर, गुरुद्वारे तोड़े जा रहे हैं । यही नहीं, लूट-खसोट की जा रही है, किडनैप कर हत्या की जा रही है । अभी हाल ही में हमने यह देखा कि किस प्रकार बालिकाओं का धर्म परिवर्तन किया जा रहा है और वे डंके की चोट पर कहते हैं कि हम उनका धर्म परिवर्तन करेंगे । 50 से ज्यादा हिन्दू लड़कियों का धर्म परिवर्तन इसी माह किया गया है । वहां का पूरा हिन्दू समाज बहुत आक्रोशित है और उनका पूरा ध्यान भारत की तरफ और मोदी जी की सरकार की तरफ है ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं कि इस मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाएं । जो नेहरू-लियाकत समझौता हुआ था, उसका पालन कराने के लिए सरकार कड़े कदम उठाए ।

माननीय अध्यक्ष: जो माननीय सदस्य अपने को संबद्ध करना चाहते हैं, वे लिख कर दे दें ।

…(<u>व्यवधान</u>)

माननीय अध्यक्ष:

श्री जगदम्बिका पाल,

श्री अजय कुमार,

श्री बिद्युत बरन महतो,

श्री संजय सेठ,

श्री अनुराग शर्मा,

श्री अनिल फिरोजिया,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री गणेश सिंह,

डॉ. संजय जायसवाल,

डॉ. सत्यपाल सिंह,

श्री सुमेधानन्द सरस्वती एवं

श्री हनुमान बेनीवाल को श्री शंकर लालवानी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।